



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EF 807907



न्यास विलेसा फाउण्डेशन

न्यास विलेसा (Instrument of Trust)

वह न्यास विलेसा आज दिनांक 01.09.2018 को श्रीमती रीता यादव एवं श्री गुरुनाल सिंह
यादव स्वामी पता— मुहल्ला इनिलिंगा, पटा-गोदापाटा मजल्ल, २४०-पाटा, उत्तर प्रदेश-२०१३
मोनित किया गया है जिन्हे आगे न्यासकर्ता/ संस्थापक बता जायेगा। न्यासकर्ता संस्थापक
के बास ₹०१५०००/-पाठ्य रुपाल रुपये की रकम है। जिससे कि पुलार्य ₹०५
लाखांशिक, रात्तरात्तिक, गौलात्तिक आदि गृहियों के ज्ञानार्थ एवं लखिया दिन, अनहित एवं
समाजिक योग्यता में उत्तरांतुए रिक्त सेवा और साम-जाति अन्य सेवों द्वारा प्राप्तिक, चर्चा
निष्काला, व्यवसायिक आदि क्षेत्र में विशेष रूप से कार्य करेगा। जिसको आगे संक्षिप्त में
इस्तर भी बढ़ा जायेगा। इस्तर का न्यासकर्ता ऐनिंग ट्रस्टी(इन्वेस्ट) होगा। जिस पर आगे
प्रभा का ट्रस्टी (अधिक) कहा जायेगा। न्यासकर्ता/ संस्थापक द्वारा यह भी इच्छा है कि
इसी विभिन्न सेवों से दान उपलब्ध जाए आदि भी मन्मिलित किया जाए। जिसके भावा इस्तर

रीता यादव

ग्रन्थालय विभाग
कृष्णगढ़, कर्नाटक, ५८३४०१, भारत
मोबाइल: ९८८६५४३२१०९८



मा





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EF 807908

के प्रति रुपया एवं भावना के नदाने ताकि दूसरे अपने उद्देश्यों में प्रभावी रूप से आगे चलापन चाहते हों ताकि भारतीय / चंचलात्मक भावनी इधर के अनुकूल रुप 1500/- या वह इन्हाँ लागे जो विवरणीय दृष्टि से अद्यता की है। एवं यह इस दृष्टि अनुकूल कार्यालय गुडल्स इमिलिया, पो-मॉलाब भूमि, ताला-रादर, यनपट-मत्त और एवं अपनी इन्हाँ नुसार लाभित सुविधा जानक रखने निक्षेप पर इस कार्यालय की सामग्री-समय पर उपलब्ध स्थान पर स्थानान्तरित किया जा सकता है। (याभावना / दृष्टि (अधिक) / दृष्टि (अधिक) इत्याँ इस दृष्टि के उद्देश्यों की पूर्ण ऐसा नियमावली निन्म उक्तर भाषा बहु वापिल किया जाता है।)

चन्द्रदेव भैरोरियल फाउण्डेशन गुडल्स इमिलिया, पो-मॉलाब भूमि,

150-ताला, यनपट-मत्त (इफिल्या, दृष्टि विवर 1500 के अनुग्रह कार्यक्रम दृष्टि)

उद्देश्य एवं नियमावली—

दृष्टि के उद्देश्य — दृष्टि नियन्त्रित उद्देश्यों की सुरक्षा के लिए कावी जलें।

। । तिना लिए भेद किए हुए जबके लिए प्रत्यक्षिक पाठ्याला, वृक्षायां विष्वस्तु।

। । उपर्योगित, महाविद्यालय, विधि गहनियत्वाद्य, विद्या ज्ञानाद्य, पुस्तकालय, कार्यालयी,

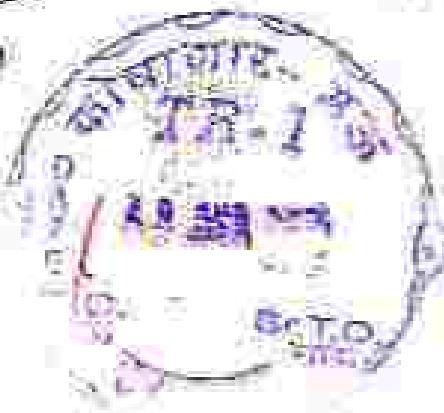
। । व्योगशालावाँ, विकासालयी, अनावालयी, वृक्षायां, अनुसन्धान केन्द्र, प्रत्यक्षिक

रीता पाठ्य



गोमार २५५६ अक्टूबर १००१ आ.ड. ५. २५५५

४९-१८
संस्कृत एवं वेदाना विद्यालय
गोमार-३०, उत्तरप्रदेश





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EF 807909

कानूनी कानूनी विभास केन्द्री, लैखण केन्द्री, परांगदान, एकल जागरूकता उत्तरान केन्द्री जी रघुवन, नामज्ञान विभास सम्बद्ध आधिकार विभास जागरूकता आदि जैव व्यापार है तथा आधिकार जीने पर विभिन्न परिषदों विभासी प्रतिवेदन, समाजी शासन आदि जै उन्हें सम्बद्ध जागरूक परिवहन अनुसंधित स्थिरता करता। विभिन्न इन विभास विभास परिषदों जारीकर भवित्व बनाता।

1. अधिकास एवं विभास भागीकर चलाकित परना।
2. खारी वामीदाता चोरों की स्थापना रुप लंबाजा परना।
3. कृषि कार्य उत्तु घोर भूमि गुणात् एवं वाणी रोकाकर जाल लगाया एवं नगी छा रखना।
4. लगानीकरण एवं लगाज आदि का विलास करना।
5. भवित्वा भाल विभास एवं स्वास्थ्य सहजोग हेतु विभिन्न जारीकर चलाकित करना।
6. प्रतियोगात्मक परिषदों की सेवारी हेतु संस्थाओं की स्थापना करना।
7. कृषि संग्रह सम्बन्धित आदि विभासों की विभा तथा उसके निकास हेतु संस्थान की स्थापना करना।
8. किसी भी सामाज (तरल एवं डोस) की खरीद एवं बिक्री करना।

श्रीमा पाटव



2557 01-10-2011 2555

2557 01-09-10
2557 01-09-10
2557 01-09-10



2557 01-09-10

भारतीय नौर न्यायिक

बीस रुपये

Rs.20

₹.20

TWENTY
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

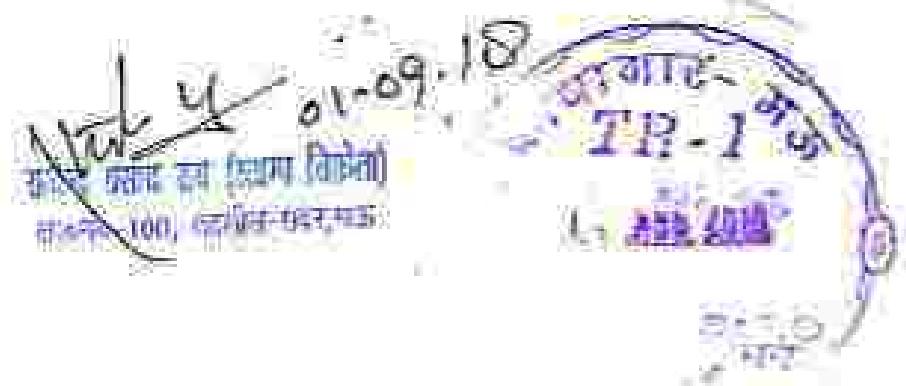
37AA 337545

10. मत्थार के खान का कार्य कराकर भूमि को उपचाल गोप्य करना।
11. द्रुस्ट के माध्यम से जीवन बीमा एवं सामान्य बीमा का कार्य कराकर भारत सरकार का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से आहुत्या करना एवं लोगों को बोगा दी जानानीष्ठ करना।
12. उपचार के दस्तूओं को निर्भाय एवं विश्व लार्ग करना।
13. कवाह या जामानी या इकट्ठा करके पर्वत ग्रामियों का निर्माण करके उत्तरका गलाकर बातावरण या इसित होने से बचाना, जर्यावरण या तुख्ता करना, द्रुस्ट या सर्वोत्तम कार्य होगा। जो कि मानव जीवन के लिए महत भी उपयोगी चर्चा है।
14. केन्द्र सरकार के सभी विभागों नागरिक संरक्षण, समाज कल्याण, नाबाहे, कनार्ट, सामाजिक न्याय, अधिकारिता भवालय, सामाजिक कल्याण, सलाहकारी बोर्ड, नियन्त्रण, नेतृत्व युवा योग्द, खेलकूद, युवा कल्याण भवालय, साम विकास ग्रामीण और रामी विभागों के जारी की जानानीष्ठ करना।
15. बीई टीओआई पालिटेक्निक, दलीनिष्टिग, पश्चिम फार्मसी, नर्स हाविंग, आपरेटर, डेपिनिशियन, लीब एंडिनिशियल, फिजियोथेरेपी, जादि मेडिकल फालेजों की स्थापना एवं संचालन करना।

रीता पाटूँ



संग्रहीत २५५८ दिन २६-१०-२५५५



भारतीय रुपये

बीस रुपये

₹.20

Rs.20

TWENTY
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

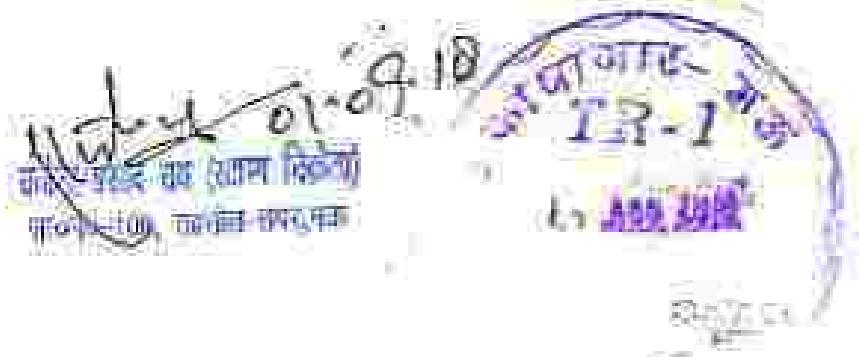
37AA 337544

16. समाज के लोगों के लिए ट्रासिटल, नार्सेंग होन, व्यापका केन्द्र, मॉडिफिल बटोर, किराना की दुकान, फोटोफोटो, दाशीया, छम्पानी, पार्स आदि की व्यापका उन्नता।
17. पुस्तकालय वाचनालय पश्च प्रतिक्रिया संग्रहालय पत्रों इत्यादि का प्रयोगान्वयन मुद्रण निवृत्ति एवं भूत्य का निर्धारण करना।
18. अन्धे, चूंगे, बहुरे, जलाहार लोगों के लिए शिक्षा, विकिस्ता, आवास, भोजन की व्यापका फैरना, घाल भरणा, गिर्दालय संचालित करना व सुनवी पुनर्वास के लिए राम्पां व्यवस्था करना।
19. विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों कथा व्यवहारिक प्रायोगिक कला, पाणिज्यक, वैज्ञानिक, कीड़ा, गार्जल आदि, संगीत, तकनीकी, सामाजिक, अत्युनिक गाथा चर्चा अधिकारी, कम्प्यूटर प्रौद्योगिक आदि विषयों का विभिन्न ज्ञान पर शिक्षा प्रदान करने का प्रयत्न गताना।
20. विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं प्रतिनिधि परीक्षाओं गे छात्र/छात्राओं की सकृद बनाकर उपायालम्भी बनाने एवं उनके अध्ययन अध्यापन आवास आदि सुविधाओं का प्रयत्न करना।
21. साइटिंग पुस्तकों, पाठ्यक्रमों आदि का सुन्नत, संपादन प्रकाशन मुद्रण एवं वितरण करना।

रीता प्राह्व



Govt 2559 Apr 201- 2011 2555



भारतीय नौर न्यायिक

बीस रुपये

प्राप्ति

Rs.20

₹.20

TWENTY
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

37AA 337545

22. राजकूतिक पर्यावरण, एडम. अधिकारी, गोविंदी, समोलन, प्रतिबंधितात्री, बैठकों द्वारा
कहाए, सत्र प्रोत्त्वाहन आदि कार्यक्रम वालीसित करना।
23. मुख्यार गढ़ी का निर्माण कर आज्ञा, फलों का भण्डारण कराना, सभा उत्तरका कम
प्रियत्व करना।
24. शीतगृही या निर्माण सम किसानी के फल, राष्ट्री, आन्, धान यी सुखा प्रदान
करना।
25. चित्तानों को खासा, अतीनी इन्डरेनट के माध्यम से उपलब्ध कराना।
26. वित्ती का कार्य करना, लोगों का ऐसा जमा करावार ढनको लाभ रिटन देना, जोके
परों को सुखा प्रदान करना, समय समय पर गृह ऊपर, गोटर गाड़ी और जल सब
शासार करने हेतु नए विपलय कराना।
27. शिलाई, कलाई, बुनाई, रक्कीन, प्रिन्टिंग आदि की शिखा उत्तु प्रिय- प्रदेश के नदी की
स्थापना करना।
28. अन्य जीवाश्री दृष्टि द्वारा समालित विशालयों, भवानियालयों, गोक्कुल सालेजी,
इंजीनियरिंग कालेज, आईटीआई० कालेजों को अपने दृष्टि में समावित कर

रीता घाटव



2560 क्रम संख्या ५५५



भारतीय गैरज्याधिक

बीस रुपये

₹.20

Rs.20

TWENTY
RUPEES

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

37A 337546

संगठित करना ५० बच्चे द्वारा जो कार्य करने में सक्षम न हो करके अपने द्वारा में
समाप्तित कर संगठित करना ।

29. द्वारा को उद्देश्यों को पूरी तिथि राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय लगानी सत्त्वाओं तथा
खरिदारों द्वारा आर्थिक सहयोग प्राप्त करना अथवा प्रदान करना ।

30. विभि. जामिति उपग्राही जामिति का प्रधान एवं प्रशासन करना ।

31. अन्युर्दिक्क वीषमित्यों का उत्पादन करना एवं उसका प्रधान एवं प्रशासन करना ।

32. पर्यावरण को ध्वनि प्रदान करना, गवाहाना सुलग्न के लिए जामिति देना एवं
जल वर्षाय से सम्बन्धित सेमिनार करना ।

33. एक्स को बारे में जानाना एवं उपचार प्रसार करना ।

34. कृषि द्वारा दी जा रही बोवाओं/कर्तुओं के लिए समुचित शुल्क/मूल्य निर्धारण करना ।

35. प्रशासन द्वारा अध्ययन, ज्ञानापन को भेजाहित करना तथा तात्त्विक ज्ञानापन
कृपयाज्ञों को बारना ।

36. उपचारका अधिकार पर्यावरण कुओं द्वारा दीके सामाजिक वायिलो के लिए
एवं जन धर्मों जागृत करने के लिए कार्य करना ।

रीता चाक्रवर्ती



संग्रहीत २५६) दिन २८-०८-५- (२५५५)



भारतीय रौप्याधिक

बीस रुपये

Rs.20

₹.20

TWENTY
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

37AA 337547

37. बाल्टर, इंजीनियर, कार्पेन्टर, फिल्टर, पेल्डर, मणमूर को प्रशिक्षण प्रदान करने के उत्तराधि
विदेश जाने के लिए काम कराना, जिसके लिए वे जगार मिल सके एवं देश भर
विकास हो रखो।

38. कुटीर लघु उद्योगों के माध्यम से असहाय लोग गरीब सोनों को चोरगार हैं जिससे
वह अपना जीवन बाधने कर सके।

39. किसानों जो उन्नतशील नीजों, कीटनाशक दवाओं तथा नये नये औजारों को उत्तराधि
देने में सफलता करता है।

40. समय-समय पर किसान संगठनों का आयोजन कर उनकी जागरूकता बढ़ाना।

41. किसानों को रसायनिक ज्ञान (जार्ड, यूरिया, पोटातो, जिंग, फासफेंट, कार्बनिक खाद,
कालोरट खाद) अख्याति को समय समय पर उपलब्ध कराने के लाभान्वित
कराना।

42. प्रामिक स्थलों को विमोचन एवं प्रियंकार देना।

43. एक कलालय हेतु विभिन्न कार्यकर्ता का आयोजन एवं क्रियात्वान्वयन करना।

44. विभिन्न आयोजनों एवं कारणों हेतु भाजपुरिति, पुरस्कार, उत्तराधि, विलीन सहायता,
सूतिभिंह आदि प्रदान करना।

रीता पाठूव



2562 का नं 20-11-०५ 2555

01-07-10
सरकारी विद्यालय
लालबाजार असम

सरकारी
TR-1

1. अमृत





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

37AA 337548

45.ट्रस्ट के काप एवं सामादा में वृक्षि करना, विभिन्नोंजन चमना लघा उनका ट्रस्ट के उद्देश्यों में प्रयोग करना।

46.ट्रस्ट जन सामाज्य के हित में कार्य करेगा। ट्रस्ट यातासमेत आपने उत्पादित बन्धुर लागत मूल्य पर ही देने का प्रयत्न करेगा। ट्रस्ट द्वारा जागहित ने जल्हा खड़ना, दालाबो का निर्माण कर मछली पालन, पशु पालन, मधुमत्तली पालन आदि प्रयत्न प्रसार करेगा।

47.ट्रस्ट अपने उद्देश्या पूर्ति हेतु जनकलाना एवं राष्ट्रवाच्याणुकारी घोषणाओं का कियान्वयन कर सकता है।

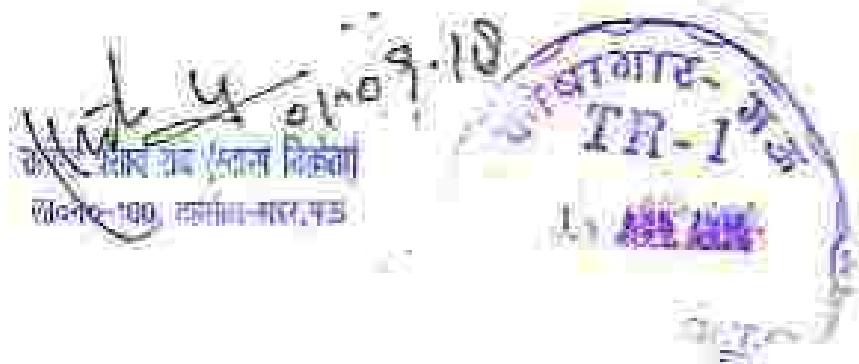
48.ट्रस्ट अपने भवित्व आय पर्याप्त ज्ञानानुप में ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति को लिए ही कार्य करेगा।

49.सभी दरों पर लोगों की स्वती लघा औल उपलब्ध कराता।

50.दोषिया, गार महिया एवं उचिती बाहन की एजेंसी लेना, अपनी एजेंसी के महमान के रूपी दरों पर बाहन उपलब्ध कराना, जिससे लग लागत पर अधिक से अधिक लोगों की बाहन उपलब्ध कराया जा सके।

रीता माटुवा

375-2863 dated 20-10-55 (255)



भारतीय ट्रॉन्याडिक

बीस रुपये

₹.20

Rs.20

**TWENTY
RUPEES**

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

37AA 337549

क्र. पिंगिन स्ट्रिप्पलो / विधालयो / गजापिथालामो / बैंडिकल कासेज / दुर्लीनियस्टा
यालेजो के विशेषाधिकार आन्तर फर्मा तथा अपने विशेषाधिकार के अनुसार चार
सुव्यालेज बारना।

2. प्राप्तिक्रिया उपलब्ध—

1. यहांमान ने इस्टटडीड के पर्यायक से श्रीमती रीता बादल पानी की तुच्छत
सिंह यादव को इस ट्रॉन्ट का ट्रॉन्टी (अध्यक्ष) नियुक्त किया जाता है।
2. यहांमान ट्रॉन्टी(अध्यक्ष) श्रीमती रीता बादल पानी श्री तुच्छत सिंह यादव द्वारा चयित्रद्वार
के यहां रचितद्वारी कर गुणोदयिता न की जाए, तो उसे लिखित ए परिचयिता में इस ट्रॉन्ट
के वकारशिपार्शी इनके पुत्र श्री अवनीष कुमार यादव ट्रॉन्ट का ट्रॉन्टी(अध्यक्ष) होगे।
3. यहांमान ट्रॉन्टी (अध्यक्ष) अपने छीठेन द्वारा में ही याच शाहौं इस ट्रॉन्ट का ट्रॉन्टी(अध्यक्ष)
अपने पुत्र श्री अवनीष कुमार यादव को स्थानान्तरित कर सकती है।
4. नीतिक्ष में इस ट्रॉन्ट का ट्रॉन्टी (अध्यक्ष) अपने पुत्र ए पुत्री को ही चयित्रद्वार के यहां
रचितद्वारी कर गुणोदयित इस ट्रॉन्ट को प्रवर्ती (अध्यक्ष) बना सकते हैं। आगचा इनके पुत्र
को पुत्री न होने पर युवालय शोदत्वांको इस ट्रॉन्ट का ट्रॉन्टी (अध्यक्ष) बना सकते हैं।

रीता पाठूर



37/2566 क्र/प्र. 20/9/2023 (25/55)

कृष्ण पांडी
कृष्ण पांडी (लिखा)
वडा 103, राजीव नगर, मुम्

ताटे कुकुर
R-1
L-103 गोपनी

भारतीय चौर न्यायिक

बीस रुपये

Rs.20

₹.20

TWENTY
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

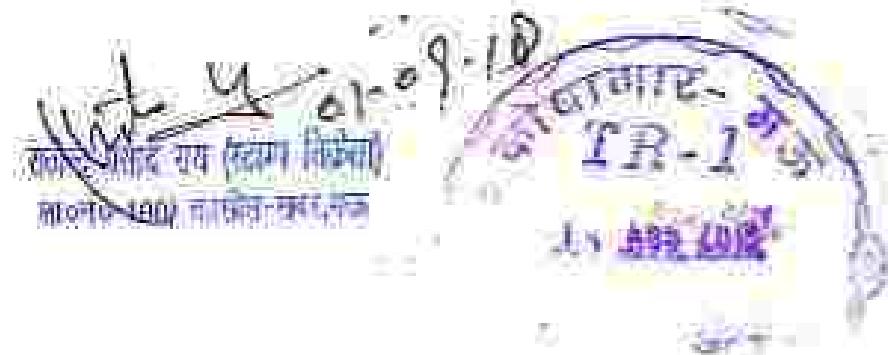
37A4 337550

3 मैनेजिंग ट्रस्टी / अध्यक्ष पद का उत्तराधिकारी / स्थानान्तरण—

1. वर्तमान मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) का उत्तराधिकारी उनके पुत्र श्री अवनीश कुमार शास्त्री होंगे।
2. वर्तमान मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) अपने जीवन काल में ही मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) का पद अपने पुत्र अवनीश कुमार शास्त्री को प्रदान कर सकती है।
3. किसी भी वित्तीय या गैरवित्तीय दृष्टि के द्वारा अपने उत्तराधिकारी को दिया गया कार्यभार हस्तान्तरण रागत्ता आविष्कारों नहिं पूर्ण माना जायेगा।
4. वर्तमान मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) द्वारा अपने उत्तराधिकारी को दिया गया कार्यभार हस्तान्तरण रागत्ता आविष्कारों नहिं पूर्ण माना जायेगा।
5. वर्तमान ट्रस्टी (अध्यक्ष) की कारकारिक की रिखति में उनके पुत्र श्री अवनीश कुमार शास्त्री की इच्छा/ घारस्थी वापिसी लज से इस ट्रस्ट के ट्रस्टी (अध्यक्ष) के लिए सहाय्य होंगे।

रुपया : पाँच

พ.ศ. ๒๕๖๕ วันที่ ๒๐-๑๐-๕ (๒๕๕)



भारतीय रुपै न्यायिक

बीस रुपये

Rs.20

₹.20

**TWENTY
RUPEES**

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

37A4 337551

4 बोर्ड आफ ट्रस्टीज़:-

यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) वादि उचित समझे तो विधयों पर विचार किएर्ह एवं उत्तर प्राप्त करते हेण बोर्ड आफ ट्रस्टीज़ यम गठन कर सकता है जिसमे कि व्युत्तरवान ३३ सदस्य व अधिकारी २१ शास्त्रा होंगे।

1. यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) किसी भी व्यक्ति को वादस्थ मानीजिंग करते समय उल्लंघन कार्यकाल नियमित करेंगा। वादस्थ की कार्यवाली मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) की हस्तां पर नियमित करेगा तथा मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) लिस्टी भी व्यक्ति का कार्यवाल भाग्यपता होने से पूर्व ही यिन लिस्टी तो कोई वादप कराये रखन्य के बाद से बदला जावाते हैं।
2. यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) प्राप्त गी उचित समझे बोर्ड आफ ट्रस्टीज़ की ऐक खुला सकते हैं जिसकी जाप्या ट्रस्टी (अध्यक्ष) स्वयं करेंगे।
3. यह कि बोर्ड आफ ट्रस्टीज़ उन्ही विधयों पर विचार करेगा तथा त्रुआव हैगा, जिनको मैनेजिंग ट्रस्टी(अध्यक्ष) द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
4. यह कि बोर्ड आफ ट्रस्टीज़ इस लिये गये किसी भी चुकाव यों मानना स्थीकार नहीं अवश्य अस्वीकार भावना पूर्णतया मैनेजिंग ट्रस्टी(अध्यक्ष) की हस्ती पर विवर

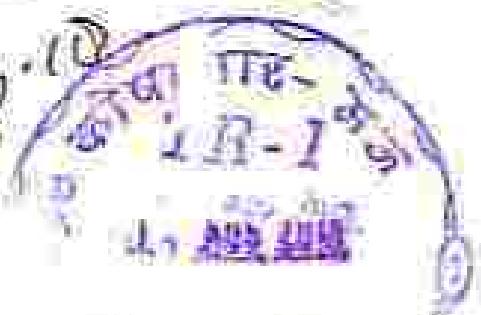
रीता पाठ्व



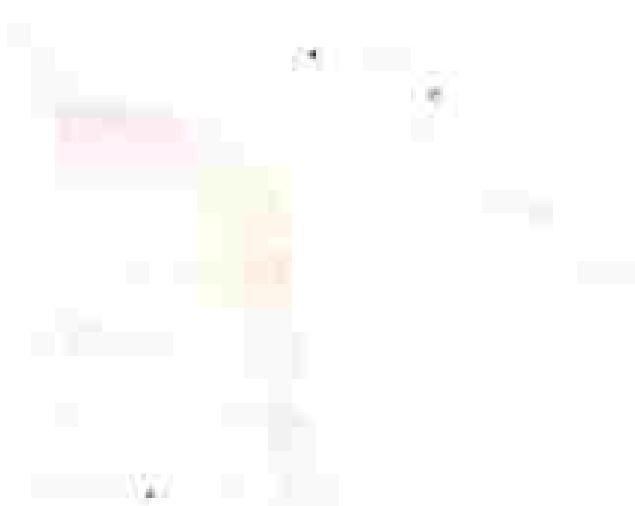
2566 201-00.5 2555

2566 201-00.5 2555

2566 201-00.5 2555



2566





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

57AA 337552

पर निर्भीक करता है इस सन्दर्भ में विनोलिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) के द्वारा दिया गया
निर्णय ही जाना यथा अनिवार्य होगा।

विनोलिंग ट्रस्टी(अध्यक्ष) का कार्यकाल एवं चुकितिः—

1. यह कि ट्रस्टी (अध्यक्ष) को विभिन्न सुविधाओं से युक्त दस्त के कार्यालय एवं
प्राप्ति की चुकिति उपलब्ध करायी जानेगी। इन सुविधाओं के बल को तुष्टीलता
करने में विनोलिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) का निर्णय ही अनिवार्य है भाव्य होगा।
2. यह कि ट्रस्टी (अध्यक्ष) अपना उत्तराधिकार यहां करने हेतु दस्त से नालिक
मानवेय / भले आदि प्राप्ति पर यदि योई आवश्यक लगता है तो ट्रस्टी (अध्यक्ष)
दस्त के प्राप्ति की गई आप से ही आवश्यक का मुगवान बनेगा।

३. कार्यकाल—

दस्त का कार्यकाल समाप्त नहीं होगा। विनोलिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) के द्वारा
दस्त एवं विनोलिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) द्वारा एवं एकाम्बरी प्राप्ति कर सकता है जबकि दोनों

रीति घाटव

ગુરુવાર 25 જે 201-20-5-2555



नागरिकीय और न्यायिक



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

3744 337553

मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) का विशेषाधिकारी—

मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) उन ग्रह विशेषाधिकार प्राप्त होता हैं जो द्रव्य के अन्तर्गत कार्यक्रम किसी भी आदिकारी कर्मचारी स्थान लिये गये नियम में उत्तमोप कर नियत/ नियुक्त/ अस्तीकरण/ राशीशोध कर सकता है। मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) के कार्यक्रमों में किसी भी ग्रह पर छोड़ भी दिया जाना चाहिए जो उभी सम्बन्धित पदों को अनियंत्रित कर सकता है।

b. उपाध्यक्ष यों नियुक्ति—

1. यदि कि मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) 30 दिन प्रतिवर्ष के लाई यों करने एवं देखाना करने के लिए ट्रस्टी (अध्यक्ष) की आवश्यकता पड़ने पर एउटा अधिक उपाध्यक्षों की नियुक्ति कर सकता है।
2. यदि कि उपाध्यक्ष मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) के अनुभव तक ही उपर्युक्त होंगी। मैनेजिंग ट्रस्टी (अध्यक्ष) किसी भी जगत लिना कारण बताये जाने पर यादरा आकिर्यों के विकल्प प्रशासनिक विभि/ अनुदातानाम्यक/ प्रशासनाम्यक कार्यकारी कर सकता है अपनी पदों के अधिकार पर कर्तव्य किसी भाव व्यक्ति को एकान्तरित/ प्रदान कर सकता है।

रीता पाठूब

25/09/2018 - Att. 5 255

25/09/2018
Date



भारतीय नौस च्यासिक

प्राप्ति

बीस रुपये

Rs.20

₹.20

TWENTY
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

37AA 337554

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1. यह कि उत्तर प्रदेश के बोतान भवते सुप्रिया ऐनेजिंग ट्रस्टी (अप्पा) द्वारा निरिषत किये जायेगे।

2. संचित की नियुक्ति :-

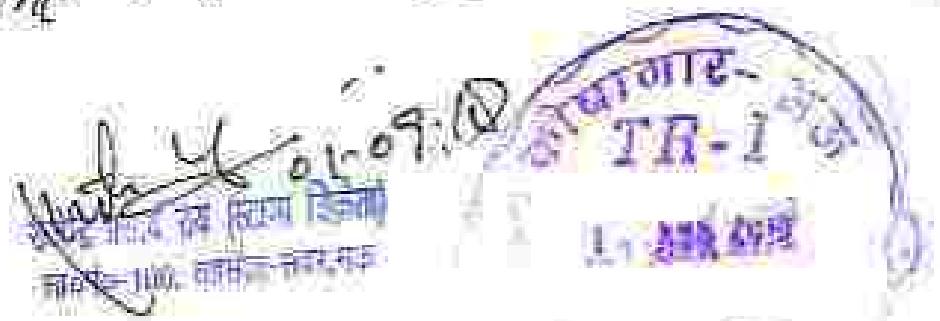
1. यह कि ऐनेजिंग ट्रस्टी (अप्पा) के दिन प्रतिदिन के कार्यों को करने एवं देखाना कार्यों के लिए द्रष्ट के लिए एक संचित एवं आदर्शकाता पद्धति पर एक अमाना अधिक उपलब्धियों की नियुक्ति कर सकता ।

2. यह कि उत्तर प्रदेश के बोतान भवते सुप्रिया ऐनेजिंग ट्रस्टी (अप्पा) द्वारा निरिषत किये जायेगे ।

3. यह कि संचित/उपसंचित ऐनेजिंग ट्रस्टी (अप्पा) को अनुप्रव तक ही कार्य करेंगे। ऐनेजिंग ट्रस्टी (अप्पा) किसी भी समय बिना कारण भावते उक्त पदों पर कार्यरत अधिकारी को निर्द्धा / प्रशासनिक विधि / अनुसासनात्मक / प्रशासनात्मक कार्यालयी रूपता सकता है। अबता पर्याकरण के अधिकार एवं कर्तव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा हस्तान्तरित प्रदान कर सकता है।

रीता पाठ्य

กรุงศรีฯ ๒๕๖๙ ฉบับ ๒๐(-๑๖.-๕) ๒๐๕





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

37AB 337555

10. अध्यकार के अधिकार एवं कार्यव्यः—

गढ़ कि इस दस्त अधिक के अन्तर्भूत दस्ती (अध्यका) यो ग्राम लिपिन अधिकार एवं कार्यव्यों के लिपिनियम दस्ती (अध्यका) के निम्न अधिकार एवं कार्यव्य नी होंगे।

1. घोष आफ दूरलीज वो बेटक युताना एवं उच्चाना यसना।
2. इस दस्त दोत मे उल्लेखित दस्त के वाद्येशों एवं निधमावली गे लंयोगन / परिवहन वर राहता है जो कि राज्यस्वाम वो वही निकिस्तीया होने की दिनांक नी नाम्य होगा।
3. बैनिंग दस्ती(अध्यका) के अनुसन्धान मे सारे कार्य की देखरेच उपलब्ध होता। आमिन विसार के लिए दस्ती (अध्यका) और नी नाम्य और उपलब्ध नियुत भए राहता है।

11. ऐक एकाहम्यः—

1. दस्त का खाता लिस्ती नी वैक मे दस्ती (अध्यका) द्वारा द्वात थीता एवं सामाजिक विषय जा सकता है।
2. दस्त के अन्तर्भूत सामाजिक व्यवसा कार्यका लिस्ती भी विशालय / सामाजिकालय / सामाजिक लोग / कार्यालय इत्यादि कार्यालय का पुराना नया नी वैक खाता खोला या सामाजिक विषय जा राहता है। उपनीका लिस्ती मे दस्ती (अध्यका) रपने द्वारा खाता खोला एवं सामाजिक विषय जा सकता है।

12. विधिक कार्यवाही—

यदि तंस्ता दस्त के द्वारा नी वैक विधिक कार्यवाही की जाही है।। उसके लिनाम लोई कार्यकाही खोली नी वैक अध्यका के अमाले से अधिकारा जी विधिवित एवं लिपिन न्यायालयों नी पैरवी नी लिए लिस्ती की अधिकारा कर सकता है।

रीता पाठ्य



ग्रन्थ २५७० अ/म २०१-२०२ नं २५५

प्रतिष्ठित इनाह राजाम् शुद्धम् यस्मि विकारी लक्षणा।

श्रीमती श्रीना पाटी
पर्णी भीमुखी विकारी
विवरणा वृषभी
निवासी श्रीमद्भगवत्प्रसादी विकारी

श्रीमती पाटी

संख्या - ३००, लक्षणा-४५५



वे यह लेखापां हस्त लक्षणालयामि विनाशकार्यालयामि तिथि ०२.११.२०२० को
लिखितम् हस्ताप्तम् किया।

संस्कृत विद्यालय के लक्षण

लक्षण (विद्या)

कामिनी विद्या

मुद्रा

०१६९५२००८

लक्षण विद्यालय
कामिनी विद्यालय, निर्मला



सार्वजनिक और न्यायिक

बीस रुपये

आरडा

Rs.20

₹.20

TWENTY
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

37AB 337556

13. सम्पत्ति सम्बन्धी—

1. मैनेजिंग ट्रस्टी (अधिकारी) द्वारा की घल अवल सम्पत्ति के सम्बन्ध में एक सभी अधिकार रखता है जो कि एक नागरिक / व्यक्ति को प्राप्त होता है।
2. ट्रस्ट की घल / अधिकार सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई निर्णय लेने / तेज़ विलास देनाने हेतु मेनेजिंग ट्रस्टी (अधिकारी) स्वयं कर सकता है।
3. मैनेजिंग ट्रस्टी (अधिकारी) वित्ती रो चार, दान, उपहार, अनुग्रह नेट, सम्भान प्रशस्तार, स्मृति विन्ह, मानदेव जादि प्राप्त स्वयं कर सकता है।
4. मैनेजिंग ट्रस्टी (अधिकारी) द्वारा के घल को कही भी विनियोजित कर सकता है सुनिश्चित कर सकता है कि कोई भी वैक संस्था, व्यक्ति आदि की किसी वोलाना के घल / सम्पत्ति का विनियोजन कर सकता है।
5. ट्रस्ट के घल एवं अवल सम्पत्तियों के क्रान्ति विकाय के प्रभाव द्वारा (अधिकारी) स्वयं निर्णय ले पाकता है।
6. वर्गीकरण में द्वारा की रुप 15000/- (रुप पचास हजार) की पूँजी से स्थापना हुई है जिस पर नियमानुसार मुप 600/- रुपये का हस्तान्वय सुल्क उद्दा किया जा रहा है। यहाँ पूँजी को अलावा अन्य कोई सम्पत्ति द्वारा की पास नहीं है।

14. विशेष मैनेजिंग ट्रस्टी (अधिकारी) कोई भी निर्णय स्वयं हो सकता है जो कि गोड़ आफ द्वारा जो सर्वानुचित होगा।

द्वारा के उद्देश्यों एवं नियमानुसारी एतद्वारा विभिन्न अनुग्रहित घोषित रखी रखा आवश्यकित एवं तलात रो कियान्वित की जाती है। उक्त खाता विलेख जो प्रदूकर एवं समझकर निम्न साहियों की उपरिधित गी हस्ताक्षर कर दिये गये हैं।

श्रीता पाठ्व

क्रमांक 2571 तिथि 20/07/2015, 2555

निष्पादन संस्कार वा गुणने व अपेक्षित गुणने का नामकरण करते हैं।

नामी :

शिला शिला यादव

निवासी वास संख्या 100, नाम नामी
संख्या 100, नाम नामी

उमेर 25 वर्षीय

रीति माटूक

गै विभाग निवास निधि : निवासी पहुँच
प्रमाणकर्ता : 1

सिवायकानन् युवा श्री विलय

निवासी 100 संख्या 100 नाम नामी

उमेर 25 वर्षीय

प्रमाणकर्ता : 2

शिला यादव, युवा श्री विलय

निवासी युवा श्री विलय नामकरण करते हैं।

प्रमाणकर्ता : 2

निवासी युवा श्री विलय नामकरण करते हैं।

विलय



विलय युवा श्री विलय
नामकरण करते हैं।



भारतीय योर न्यायिक

बीस रुपये

Rs.20

₹.20

TWENTY
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

27A1 337357

उचित दूरसंचार भवित्वमें सहा नाम है।

संक्षिप्तगण

१. नाम

पिला का नाम-

पता

२. नाम-

पिला का नाम-

पता

दिनांक-



१९. १०. २०१८

प्रसिद्धाकान्ति— राजेश चाहल ए. न. ५६

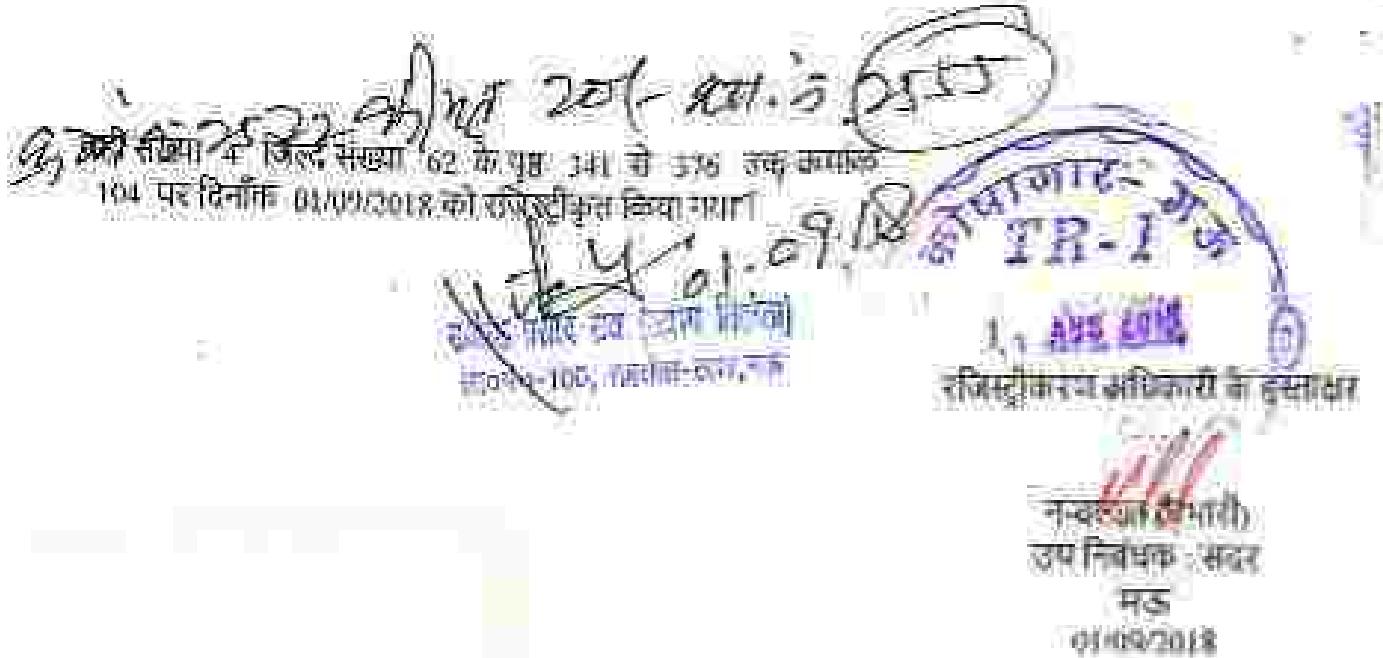
टाइपिंगकान्ति— राजेश चाहल ए. न. ५६

श्रीला मार्दन

मार्दन पुष्टि लिंगोच
मार्दन पुष्टि लिंगोच
मार्दन पुष्टि लिंगोच
२०५८/५९१२

मार्दन पुष्टि लिंगोच
मार्दन पुष्टि लिंगोच
मार्दन पुष्टि लिंगोच
मार्दन पुष्टि लिंगोच

8005484116



नियमित वर्ष १०-११-२०२३ की अवधि ३५७ तक छुट्टी में रहना।
उपर आवश्यक होने वाले अधिकारी बाहर कर दें। एवं उपर आवश्यक होने वाले सभी संस्कार इत्यादि रुक्मिणी वाले लोगों की जांची भी आवश्यक है। अलग से विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी।

- १- द्वितीय खेल में विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी।
- २- द्वितीय खेल में विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी।

१०८ वार्षिक
इसी (संघर्ष)
सभा विभाग सम्पर्क
लोकोन्तर

प्रतिवर्षीय रूप संस्कार सम्बन्ध

- १- शिवरात्रि व्रत (संघर्ष)
- २- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- ३- चूल्हा-बांदो (संघर्ष)
- ४- विश्वामित्र व्रत (संघर्ष)
- ५- गोपीनाथ-बौद्धीया (संघर्ष)
- ६- अष्टमी व्रत (संघर्ष)
- ७- अष्टमी व्रत (संघर्ष)
- ८- अष्टमी व्रत (संघर्ष)
- ९- अष्टमी व्रत (संघर्ष)
- १०- अष्टमी व्रत (संघर्ष)

१०९ वार्षिक
इसी (संघर्ष)
सभा विभाग सम्पर्क
लोकोन्तर

अग्रवाली वर्ष १०-११-२०२३ के दृष्टि में असमीकरण की अवधि के बाहर कर दें। एवं उपर आवश्यक होने वाले सभी संस्कार इत्यादि रुक्मिणी वाले लोगों की जांची भी आवश्यक है। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी।

- १- द्वितीय खेल में विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी।
- २- द्वितीय खेल में विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी।
- ३- द्वितीय खेल में विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी।
- ४- द्वितीय खेल में विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी। एवं विवरण दी जाएगी।

११० वार्षिक
इसी (संघर्ष)
सभा विभाग सम्पर्क
लोकोन्तर

प्रतिवर्षीय रूप संस्कार की लक्ष्य

- १- शिवरात्रि व्रत (संघर्ष)
- २- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- ३- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- ४- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- ५- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- ६- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- ७- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- ८- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- ९- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)
- १०- शुक्रवार व्रत (संघर्ष)

१११ वार्षिक
इसी (संघर्ष)
सभा विभाग सम्पर्क
लोकोन्तर